हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 16 नवंबर 2024, समय 1305 (5 मिनट)

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने चंडीगढ़ पर पंजाब की दावेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि चंडीगढ़ तभी पंजाब का हो सकता है जब हिंदी भाषी क्षेत्र हरियाणा को दे दिए जाएं तथा सतलुज यमुना लिंक नहर का पानी हरियाणा को दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि तब तक पंजाब का जितना हक चंडीगढ़ पर है उतना ही हरियाणा का भी है। श्री विज कल मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब दे रहे थे।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के एक ब्यान कि इस बार विधानसभा चुनाव मे लोकतंत्र की नहीं, तंत्र की जीत हुई हैं, पर चुटकी लेते हुए श्री विज ने कहा कि उन्हें हार हज़म नहीं हो रही हैं, जनता ने जिस तरह कांग्रेस को नकार दिया, उनसे वो सहन नहीं हो रहा हैं। इसलिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस तरह की बातें कर रहे हैं। श्री राहुल गाँधी के एक ब्यान कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान कभी नहीं पढ़ा, पर परिवहन मंत्री ने कहा कि मोदी जी को संविधान का पूरा ज्ञान है, राहुल गांधी को संविधान का ज्ञान नहीं हैं।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी देश में नफरत फैलाने का काम करते हैं और राहुल गांधी को मालूम होना चाहिए कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने सन 1975 में संविधान की सभी शक्तियों को समाप्त करके आपातकाल लगा दिया था और डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया गया था। , लोगों के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिए गए थे । लोगों की जबरदस्ती नसबंदी की गई थी।

****

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिच्छित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने के सपने को साकार किया जाएगा। प्रत्येक जिला मुख्यालय पर विशेष शिविर आयोजित कर लोगों को सहकारिता की जानकारी दी जाएगी ताकि वे अपने समूह बनाकर सहकारिता से जुडक़र स्वावलंबी बन सकें वह कल 71वें सहकारिता सप्ताह के तहत रोहतक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय स्थित टैगोर ऑडिटोरियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। श्री शर्मा ने कहा कि सहकारिता को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की अपार संभावनाएं हैं। आने वाले समय में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को गुजरात और महाराष्ट्र की तर्ज पर विकसित किया जाएगा । उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले तक हरियाणा के दूध के उत्पादों की मांग दूसरे प्रदेशों में थी, लेकिन बीच में उन पर कुछ ठहराव सा लगा, अब उनको फिर से गति प्रदान की जाएगी।सहकारिता मंत्री ने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की बहुत ही कारगर नीतियों की बदौलत सहकारिता क्षेत्र नए आयाम स्थापित कर रहा है।उन्होंने कहा कि हरियाणा में करीब 33000 सहकारी समितियां हैं, जिससे युवा, बुजुर्ग और महिलाओं सहित करीब 55 लाख

सदस्य जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं लागू की जा रही हैं, जिसका सीधा लाभ सहकारिता से क्षेत्र से जुड़े लोगों को मिल रहा है।उन्होंने समारोह में उपस्थित सहकारिता विभाग के सभी अधिकारियों को कहा कि वे ऐसे प्रभावशाली ढंग से कार्य करें जिससे कि चंद ही दिनों में सहकारिता क्षेत्र में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो।

****

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि किसान हित में लिए जा रहे फैसले सरकार की किसानों, ग्रामीण विकास और कृषि समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।श्री राणा ने, मुख्यमंत्री द्वारा खरीफ फसल के खर्चों के लिए किसानों को बोनस की 300 करोड़ रुपए की राशि जारी करने पर आभार व्यक्त करते, इसे किसानों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री की पहलों में किसानों की समस्याओं को समझने और उन्हें दूर करने के प्रति सरकार की गहरी समझ और सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।उन्होंने उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें पिछले साल की तुलना में 11.2 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 15,000 मीट्रिक टन अतिरिक्त डी ए पी खाद का आवंटन शामिल है।

उन्होंने कहा कि पराली जलाने में 45% की कमी से लेकर प्राकृतिक खेती योजना लागू करने तक, हम स्थायी और समृद्ध कृषि पद्धतियों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

****

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय उद्योग की चुनौतियों पर शोध करेगा। विश्वविद्यालय के शोधार्थी और उद्योग माहिर मिल कर यह काम करेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय में 33 पीएचडी शोधार्थियों का पंजीकरण किया गया है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने शनिवार को पीएचडी शोधार्थियों के ओरिएंटेशन के साथ शोध सत्र की शुरुआत की। उन्होंने शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में उद्योग की बड़ी भूमिका है। यद्यपि उद्योग जगत के सामने काफी चुनौतियां भी हैं।श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने सबसे पहले उद्योग की चुनौतियों पर शोध की पहल की है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने सभी शोधार्थियों से ईमानदारी और मेहनत से शोध करने का आह्वान किया।

****